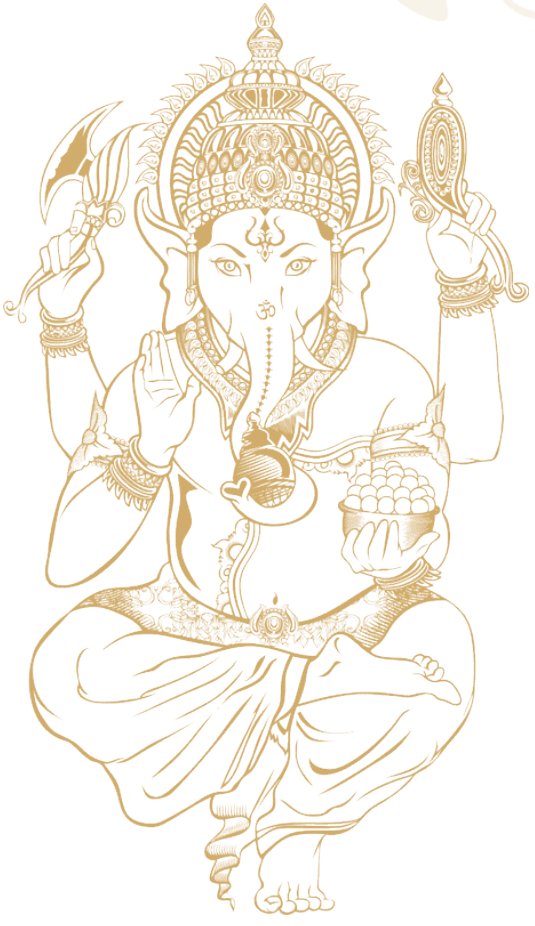

Boy Nikhil

03 Apr 2025

12:58 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121191107

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/04/2025**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**12:58:00 घंटे**
इष्ट	17:02:11 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:36:52 घंटे
वेलान्तर	-00:03:14 घंटे
साम्पातिक काल	01:24:24 घंटे
सूर्योदय	06:09:07 घंटे
सूर्यास्त	18:40:08 घंटे
दिनमान	12:31:01 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	19:35:07 मीन
लग्न के अंश	06:12:13 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सौभाग्य
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वो-वोमेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	06:12:13	307:07:06	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	---
सूर्य			मीन	19:35:07	00:59:09	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			वृष	26:50:09	14:07:22	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	मूलत्रिकोण
मंगल			कर्क	00:09:44	00:20:26	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	नीच राशि
बुध	व		मीन	03:24:41	00:23:02	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	नीच राशि
गुरु			वृष	22:07:53	00:09:34	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र	व		मीन	02:19:41	00:23:18	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	00:33:22	00:07:09	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु	व		मीन	03:06:04	00:01:29	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
केतु	व		कन्या	03:06:04	00:01:29	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	00:39:14	00:02:49	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	---
नेप			मीन	05:55:56	00:02:14	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:22:42	00:00:52	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	28:36:11	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:36

लग्न-चलित

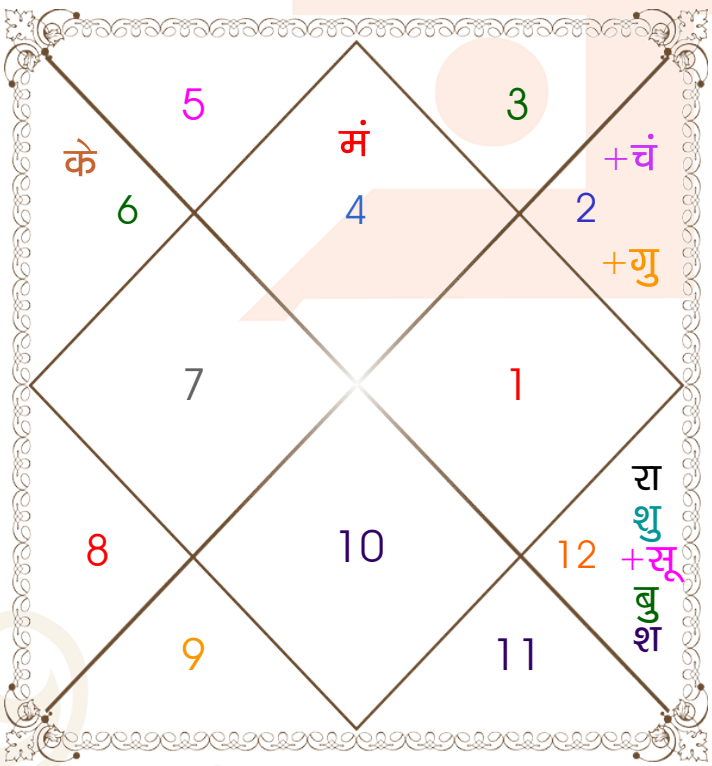

चन्द्र कुंडली

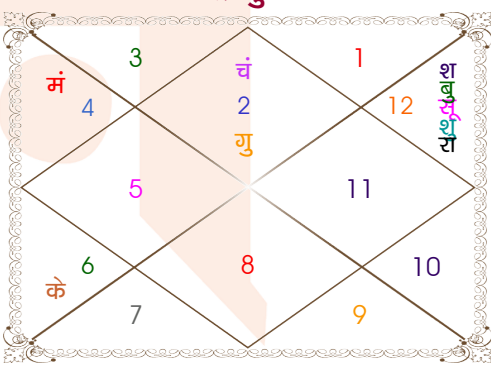

नवमांश कुंडली

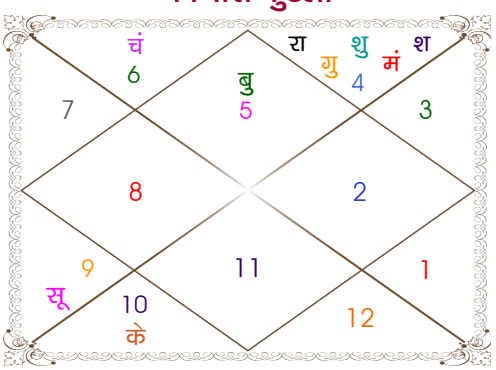

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 5 वर्ष 1 मास 28 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
03/04/2025		01/06/2030		01/06/2048		01/06/2064		01/06/2083	
01/06/2030		01/06/2048		01/06/2064		01/06/2083		02/06/2100	
	00/00/0000	राहु	11/02/2033	गुरु	20/07/2050	शनि	04/06/2067	बुध	28/10/2085
	03/04/2025	गुरु	08/07/2035	शनि	30/01/2053	बुध	12/02/2070	केतु	25/10/2086
गुरु	22/10/2025	शनि	14/05/2038	बुध	08/05/2055	केतु	23/03/2071	शुक्र	25/08/2089
शनि	01/12/2026	बुध	30/11/2040	केतु	13/04/2056	शुक्र	23/05/2074	सूर्य	02/07/2090
बुध	28/11/2027	केतु	19/12/2041	शुक्र	13/12/2058	सूर्य	05/05/2075	चंद्र	01/12/2091
केतु	25/04/2028	शुक्र	19/12/2044	सूर्य	01/10/2059	चंद्र	03/12/2076	मंगल	27/11/2092
शुक्र	25/06/2029	सूर्य	12/11/2045	चंद्र	30/01/2061	मंगल	12/01/2078	राहु	17/06/2095
सूर्य	31/10/2029	चंद्र	14/05/2047	मंगल	06/01/2062	राहु	18/11/2080	गुरु	22/09/2097
चंद्र	01/06/2030	मंगल	01/06/2048	राहु	01/06/2064	गुरु	01/06/2083	शनि	02/06/2100

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
02/06/2100		02/06/2107		02/06/2127		02/06/2133		02/06/2143	
02/06/2107		02/06/2127		02/06/2133		02/06/2143		00/00/0000	
केतु	29/10/2100	शुक्र	02/10/2110	सूर्य	20/09/2127	चंद्र	02/04/2134	मंगल	30/10/2143
शुक्र	29/12/2101	सूर्य	02/10/2111	चंद्र	21/03/2128	मंगल	01/11/2134	राहु	16/11/2144
सूर्य	06/05/2102	चंद्र	02/06/2113	मंगल	26/07/2128	राहु	02/05/2136	गुरु	04/04/2145
चंद्र	05/12/2102	मंगल	02/08/2114	राहु	20/06/2129	गुरु	01/09/2137		00/00/0000
मंगल	03/05/2103	राहु	02/08/2117	गुरु	08/04/2130	शनि	03/04/2139		00/00/0000
राहु	20/05/2104	गुरु	02/04/2120	शनि	21/03/2131	बुध	01/09/2140		00/00/0000
गुरु	26/04/2105	शनि	02/06/2123	बुध	26/01/2132	केतु	02/04/2141		00/00/0000
शनि	05/06/2106	बुध	02/04/2126	केतु	02/06/2132	शुक्र	02/12/2142		00/00/0000
बुध	02/06/2107	केतु	02/06/2127	शुक्र	02/06/2133	सूर्य	02/06/2143		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 5 वर्ष 2 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं कर्क राशि का ही द्रेष्काण उदित था। जिससे यह संकेत मिलता है कि आप संतुलित ढंग से स्वस्थ्य रहकर, आनन्ददायक सुव्यवस्थित एवं उत्तम पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप विद्वान एवं सामाजिक प्रभाव से आदरणीय समझे जाएंगे। आप सुखद एवं मधुरतम जलीय यात्रा करेंगे। आप के जीवन के 36 वें वर्ष से सुन्दर और भाग्यशाली मार्ग प्रशस्त होंगे।

आपमें यह गुण विद्यमान है कि आप अपनी आवश्यकताओं को नियंत्रित रख कर उपयोगिता को पसन्द करते हो। आप विश्वासपूर्ण भावनाओं से विभिन्न प्रकार से अन्य लोगों की सहायता करोगे। आप धर्मशास्त्र एवं दर्शनशास्त्र का अध्ययन करोंगे तथा भगवान के प्रति समर्पित आस्थावान होंगे। आपको धर्मस्थलों/धार्मिक तीर्थों का भ्रमण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा एवं परोपकारी सेवक बन कर सामाजिक कार्य करेंगे। आप दुर्भावनाओं को त्यागकर, धन संचय करने की महत्त्वकांक्षा से प्रेरित रहेंगे। यह संभव है कि आप सभी प्रकार से परिवारिक सदस्यों की सुख सुविधा की व्यवस्था करेंगे।

आप शारीरिक रूप से लम्बे, उन्नत ललाट एवं सुस्पष्ट आँखों से युक्त होंगे। आपकी मनोवृत्ति क्षमतानुसार एवं अवस्थानुसार अग्रसर होगी। आप उन्नति के लिए एक कड़ी के साथ-साथ दूसरी कड़ी भी प्रारम्भ कर सकते हैं।

आपमें ऐसा गुण एवं सामंजस्य विद्यमान है कि आप जन-सामान्य की भावना को तथा परिस्थितियों को विधिवत समझ कर उचित सामंजस्य कर देते हो। परन्तु आप बहुत अधीर हो जाते हो। परिणाम स्वरूप आपका स्वभाव विकृत होकर, हानिप्रद प्रमाणित हो जाता है। यह आवेग क्षणिक है, तथापि शीघ्रतापूर्वक शान्त होकर तेजी से समान्य मनोवृत्ति ग्रहण कर लेते हैं।

आप धनोपार्जन हेतु कुछ विभिन्न प्रकार की पद्धति एवं उपायों का अनुसरण कर लेते हैं। यह सुनिश्चित है कि सतत आप में अन्तर्वाही चतुरता विद्यमान रहेगी।

आपको अपने रोमांचित जीवन के प्रति सचेत रहना चाहिए। आप पूर्णरूपेण उदासीन भाव से अपनी पत्नी से सम्बंधित रहेंगे। बल्कि आप उदासीन रहकर अपना पारिवारिक जीवन बिताएंगे।

आप अपना विवाह सुयोग्य गृहणी के साथ करने की प्राथमिकता देंगे ताकि अच्छे सन्तान का उद्भव हो सके। लेकिन आपके लिए उत्तम तो यह है कि अपनी दिनचर्या स्पष्ट रखें तथा अपना घरेलू जीवन, जीवन संगीनी के लिए आलोचनात्मक न बन सके।

कर्क राशीय प्रवृति के अनुसार आपके स्वभानुकूल वह प्राणी होगा जिसका जन्म मीन अथवा वृश्चिक लग्न राशि में हुआ हो। आपके किशोरावस्था के लिए रोजगार, व्यवसाय अथवा अनुकूल पेशा-वृति नौसेना, सामुदायिक व्यवस्था आयात-निर्यात सिचाई एवं कृषि कार्य उत्तम रहेगा।

संभवतः आपका स्वास्थ्य एवं जीवन अक्षुण नही रहेगा। परन्तु अवस्था की वृद्धि के अनुसार समस्याएँ सुधर कर उत्तम हो जाएगी। आप सदैव ही चिन्तित एवं कुतुहलयुक्त (घबराहट) रहेंगी। अतः आप इन प्रवृतियों को त्याग कर शान्तिपूर्वक रहे और खान-पान पर नियंत्रण रक्खें। मद्यपान का सर्वथा त्याग करे।

आपको कतिपय रोग जैसे गैसस्टिक, अलसर खाँसी सम्बंधी गड़बड़ी एवं गठिया सन्धिबात रोगादि से रक्षित रहना चाहिए।

आपके लिए रंग पीला, लाल, एवं सफेद रंग अनुकूल है। यह समझ लें कि रंग हरा एवं ब्लू रंग आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 3 एवं 5 अंक आपकी उपयोगिता के प्रतिकूल है। अस्तु इनका त्याग करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।